Postal Regd. No. :
HP/115/SML/2020-22
< Postage Prepaid >

www.bakhabarconnect.com

शिमला | मंगलवार | 22 - 28 जून 2022

• वर्ष 8 • अंक 44 • पृष्ठ 4 • साप्ताहिक • मूल्य 1/-
आर.एन.आई. नं. एचपीएमयूएल / 2014/58822

] विचार »

निराशा आशा के
पीछे-पीछे चलती है।
- एलई लैमडन

बाख़बर कनेक्ट

@bakhabarconnect

कार्रवाई, सरगोशी से शाया होने तक

भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम के लिए नियमन

मंत्रिमंडल के निर्णय : राज्य सरकार अग्निवीरों को नौकरियां करेगी सुनिश्चित

ललित कश्यप
शिमला . बाख़बर कनेक्ट

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित प्रदेश मंत्रिमण्डल की बैठक में निर्णय लिया गया कि राज्य सरकार अग्निवीरों को नौकरियां सुनिश्चित करेगी। बैठक में जल शक्ति विभाग की पैरा वर्कर नीति के अनुसार राज्यभर में विभाग की योजनाओं के लिए विभाग में 3970 पैरा वर्कर (1146 पैरा पम्प ऑप्रेटर, 480 पैरा फिटर और 2344 मल्टी पर्पज वर्कर) को मानदेय आधार पर (6 घण्टे प्रतिदिन) काम पर रखने को स्वीकृति प्रदान की गई। मंत्रिमण्डल ने पंचायती राज विभाग में पंचायत सचिवों के 389 पदों को कर्मचारी चयन बोर्ड के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा अनुबन्ध आधार पर भरने को मंजूरी प्रदान की। मंत्रिमण्डल ने पंचायती राज विभाग में तकनीकी सहायक के 124 पद सृजित करने और कर्मचारी चयन बोर्ड के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा 40 पद अनुबन्ध आधार पर भरने को स्वीकृति प्रदान की। मंत्रिमण्डल ने नवगठित ग्राम पंचायतों में चयन समिति के माध्यम से ग्राम रोजगार सेवकों के 124 पदों को भरने की भी स्वीकृति प्रदान की। मंत्रिमण्डल ने राज्य कर एवं आबकारी विभाग में पुलिस कर्मियों के 73 पद सृजित कर भरने की अनुमति प्रदान की, ताकि आबकारी एनडीपीएस और अन्य नियामक कानूनों को प्रभावी रूप से लागू किया जा सके। इससे न केवल सरकारी राजस्व में बचत होगी, बल्कि नशीली दवाओं के खतरे से निपटने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता और मजबूत होगी।

क्यूआर कोड मोबाइल से स्कैन करें व पूरी ख़बर पढ़ें

डॉ. सैजल ने किया राज्य स्तरीय शूलिनी मेले का विधिवत शुभारम्भ

अशोक कश्यप
सोलन . बाख़बर कनेक्ट

सोलन की अधिष्ठात्री देवी मां शूलिनी में अपार श्रद्धा एवं विश्वास का प्रतीक तीन दिवसीय राज्य स्तरीय शूलिनी मेला आज सोलन में हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ आरम्भ हुआ। मेले में पारम्परिक एवं रंग-बिरंगे परिधानों में सैंकड़ों लोग प्रसिद्ध मां शूलिनी मन्दिर में एकत्र हुए और मंगलमयी शोभायात्रा में भाग लिया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा आयुष मन्त्री डॉ. राजीव सैजल ने पुरानी कचहरी में मां शूलिनी की सुसज्जित पालकी की प्रदेशवासियों एवं जिलावासियों की ओर से अगुवाई की। उन्होंने पवित्र शोभायात्रा में भी भाग लिया। उन्होंने बघाट शहरी सहकारी बैंक से

शेष पृष्ठ दो पर

चंबा-किलाड़ सड़क मार्ग पर साच पास के समीप एचआरटीसी बस पर गिरी चट्टानें

चंबा : चंबा-किलाड़ सड़क मार्ग पर साच पास के समीप हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम की बस पर चट्टानें खिसकने से 7 लोग घायल हुए हैं। दुर्घटना में एक व्यक्ति की मृत्यु हुई है। घायलों को पंडित जवाहरलाल नेहरू राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय चंबा में उपचार के लिए भेजा गया है। हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम की यह बस रविवार 26 जून को किलाड़ (पांगी) से चंबा आ रही थी।

शेष पृष्ठ दो पर

लूहरी-1 परियोजना के निर्माण का अग्रिम चरण शुरू : एसजेवीएन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने परियोजना के डायवर्जन टनल का उद्घाटन किया

बाख़बर न्यूज
शिमला . बाख़बर कनेक्ट

एसजेवीएन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक नन्द लाल शर्मा ने शनिवार 25 जून को अंतिम विस्फोट संपन्न करके 210 मेगावाट की लूहरी चरण-1 जल विद्युत परियोजना के नदी डायवर्जन का उद्घाटन किया। शर्मा ने पेनस्टॉक के निर्माण का आरंभ तथा डायवर्जन टनल गेट्स के निर्माण कार्यों का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर एस.पी. बंसल, निदेशक (सिविल), आर.एल. नेगी, परियोजना प्रमुख सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। नन्द लाल शर्मा ने बताया कि 617 मी. लंबी डायवर्जन टनल का पूर्ण होना परियोजना के लिए अति महत्वपूर्ण उपलब्धि है। शर्मा ने कहा कि नदी के पानी को अब मोड़ने के बाद कॉफ़र डैम के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा और परियोजना को लक्ष्य के अनुरूप चालू करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 210 मेगावाट लूहरी स्टेज -1 जलविद्युत परियोजना की आधारशिला 27 दिसंबर 2021 को रखी थी। नन्द लाल शर्मा ने नदी के दाहिने किनारे पर डैम, पावर हाउस और टेलरेस व्यवस्था के लिए चल रहे स्ट्रिपिंग कार्यों तथा राष्ट्रीय राजमार्ग के डायवर्जन कार्यों की विस्तृत समीक्षा

शेष पृष्ठ दो पर

एसजेवीएन कार्यालय भवन बना हिमाचल प्रदेश का पहला!

. बाख़बर कनेक्ट .

[सम्पादकीय]

डॉ. अम्बेडकर साहब का राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान

डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर का मूल नाम भीमराव था। उनके पिताश्री रामजी वल्द मालोजी सकपाल महू में ही मेजर सूबेदार के पद पर एक सैनिक अधिकारी थे। अपनी सेवा के अंतिम वर्ष उन्होंने और उनकी धर्मपत्नी भीमाबाई ने काली पलटन स्थित जन्मस्थली स्मारक की जगह पर विद्यमान एक बैरेक में गुजारे। सन् 1891 में 14 अप्रैल के दिन जब रामजी सूबेदार अपनी ड्यूटी पर थे, 12 बजे यहीं भीमराव का जन्म हुआ। कबीर पंथी पिता और धर्मपरायण माता की गोद में बालक का आरंभिक काल अनुशासित रहा।

बालक भीमराव का प्राथमिक शिक्षण दापोली और सतारा में हुआ। बंबई के एलफिन्स्टोन स्कूल से वह 1907 में मैट्रिक की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। इस अवसर पर एक अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया और उसमें भेंट स्वरुप उनके शिक्षक श्री कृष्णाजी अर्जुन केलुस्कर ने स्वलिखित पुस्तक ''बुद्ध चरित्र'' उन्हें प्रदान की। बड़ौदा नरेश सयाजी राव गायकवाड की फेलोशिप पाकर भीमराव ने 1912 में मुबई विश्वविद्यालय से स्नातक परीक्षा पास की। संस्कृत पढ़ने पर मनाही होने से वह फारसी लेकर उत्तीर्ण हुये। बी.ए. के बाद एम.ए. के अध्ययन हेतु बड़ौदा नरेश सयाजी गायकवाड़ की पुन: फेलोशिप पाकर वह अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय में दाखिल हुये। सन 1915 में उन्होंने स्नातकोत्तर उपाधि की परीक्षा पास की।

सन 1919 में डॉ. अम्बेडकर ने राजनीतिक सुधार हेतु गठित साउथबरो आयोग के समक्ष राजनीति में दलित प्रतिनिधित्व के पक्ष में साक्ष्य दी। उन्होंने मूक और अशिक्षित तथा निर्धन लोगों को जागरुक बनाने के लिये मूकनायक और बहिष्कृत भारत साप्ताहिक पत्रिकायें संपादित कीं और अपनी अधूरी पढ़ाई पूरी करने के लिये वह लंदन और जर्मनी जाकर वहां से एम. एस सी., डी. एस सी., और बैरिस्टर की उपाधियाँ प्राप्त की। भारत रत्न डॉ. बी. आर. अम्बेडकर ने अपने जीवन के 65 वर्षों में देश को सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, धार्मिक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, औद्योगिक, संवैधानिक इत्यादि विभिन्न क्षेत्रों में अनगिनत कार्य करके राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

आधुनिक मनोविज्ञान इसी तथ्य को आत्मीकरण या तादात्मीकरण के अंतर्गत स्पष्ट करता है। इसके अनुसार मनुष्य का अचेतन मन अनेक प्रकार की गूढ़ प्रक्रियाओं एवं गुप्त चेष्टाओं के द्वारा आत्मा का साक्षात्कार करता है।

मनुष्य के मनोभावों का स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव

आत्मिक उत्कर्ष के उपायों में उपासना का स्थान सर्वोपरि है। इसमें अपनी आस्था, अभिरुचि एवं श्रद्धा के अनुरूप ईष्ट का चयन किया जाता है और उसके साथ घनिष्ठ आत्मीयपूर्ण सम्बन्ध स्थापित किया जाता है। घनिष्ठता की गहराई के अनुरूप उपासक अपने अन्दर वाँछित परिवर्तन को पाता है। उपासना के ये गम्भीर प्रभाव कोई चमत्कार या रहस्यमय नहीं है बल्कि गूढ़ मनोवैज्ञानिक आधार पर प्रतिष्ठित है।

प्रख्यात चिकित्सा विज्ञानी डॉ. हेनरी लिंडलहर अपनी कृति 'प्रेक्टिस ऑफ नेचुरल थेराप्यूरिक्स' में लिखते हैं कि मनुष्य के मनोभावों का उसके स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ता है और व्यक्ति किसी महापुरुष, अदृश्य देवदूत तथा सर्वव्यापी तत्त्व से एकत्व स्थापित करके अपने शारीरिक एवं मानसिक दोनों प्रकार के स्वास्थ्य को निश्चयपूर्वक सुधार सकता है। हम जिस भी प्रकार की आत्मा का ध्यान करते हैं, उससे हमारा संपर्क-सम्बन्ध उसी तरह स्थापित हो जाता है, जिस प्रकार रेडियो या टी.वी. का संपर्क इसके प्रसारण केन्द्र से जुड़ जाता है। इस तरह मनुष्य का मन मस्तिष्क एक रेडियो या टी.वी. सेट के समान है जो अभीष्ट ट्युनिंग के अनुरूप अच्छे व बुरे विचारों को ग्रहण करता रहता है और यह प्रक्रिया जागृत एवं स्वप्न दोनों अवस्थाओं में चलती रहती है। उपासना में हम श्रेष्ठता एवं दिव्यता के पुञ्ज ईष्ट पर ध्यान करते हैं तो हमारा मन भी इनके श्रेष्ठ एवं दिव्य भावों को ग्रहण करने लगता है और हम ऊर्ध्वगति को प्राप्त होने लगते हैं तथा पतन-पराभव के मार्ग में गिरने से बचते हैं।

इसी मनोवैज्ञानिक सत्य का उद्घाटन हम उपटन सिंकलेयर की 'मेण्टल रेडियो' नामक पुस्तक में पाते हैं। उपटन महोदय लिखते हैं कि मनुष्य अपने विचारों को न केवल भौतिक माध्यमों से भेज सकता है, बल्कि वह अभौतिक मार्गों से भी अपने विचारों को दूसरों तक पहुँचा सकता है। सिद्ध योगीगण इसी विधि को अपनाते हैं। वे बैठे-बैठे ही अपने विचारों को समूचे विश्व ब्रह्मांड में प्रसारित करते रहते हैं और सुपात्र आत्माएँ इनकी प्रेरणाओं को ग्रहण कर आगे प्रसारित एवं क्रियान्वित करते हैं। इसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति महान् आत्माओं के संदेशों के प्रति अपने मन के द्वार को खोलकर इनकी दिव्य प्रेरणाओं को ग्रहण कर सकता है। उपासना इसी प्रयोजन को सिद्ध करने वाली सशक्त प्रक्रिया है।

उपासना में उपास्य का चुनाव एवं उपासक के व्यक्तित्व का गठन एवं रूपांतरण भी मनोवैज्ञानिक रीति से सम्पन्न होता है। योग सूत्र में कहा गया है कि मनुष्य जो कुछ भी सोचता है, वह वैसा ही बनने लगता है। गीताकार ने इसी तथ्य को सुन्दर रूप से विवेचित किया है- मनुष्य की लगन उसके स्वभाव के अनुरूप ही होती है। यही उसका सत्त्व है। इसी के अनुसार वह अपने मित्रों, गुरुजनों, देवी-देवताओं का चुनाव करता है और उन पर अपनी श्रद्धा और भक्ति को प्रकाशित करता है। यह एक सामान्य मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिस के अनुसार मनुष्य जैसी श्रद्धा रखता है, वह वैसा ही बनता जाता है।

आधुनिक मनोविज्ञान इसी तथ्य को आत्मीकरण या तादात्मीकरण के अंतर्गत स्पष्ट करता है। इसके अनुसार मनुष्य का अचेतन मन अनेक प्रकार की गूढ़ प्रक्रियाओं एवं गुप्त चेष्टाओं के द्वारा आत्मा का साक्षात्कार करता है। अन्तरीकरण या आत्मीकरण एक ऐसी ही चेष्टा है। इसके अंतर्गत व्यक्ति अपने अंतर्मन की गहनतम इच्छा के अनुरूप बाहर अपना आदर्श गढ़ता है और इसका ध्यान करने लग जाता है। ध्यान की प्रगाढ़ता में ध्याता और ध्येय में एकत्व स्थापित हो जाता है। सामान्य स्थिति में तादात्मीकरण की इस प्रक्रिया को हम किसी फिल्म अथवा खेल देखने वालने दर्शकों की मनोवृत्ति में देखते हैं। साहित्यिक रचना एवं रसास्वादन में भी सचेतन मन की यही प्रक्रिया काम करती है। भाव तादात्मीकरण की यह प्रक्रिया ही वस्तुत: हो रही घटनाओं में व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी का बोध कराकर सृजनात्मक आनन्द का आधार बनती है। तादात्मीकरण की यह वृत्ति अपने परिष्कृत रूप में उपासक की मनोवृत्ति में सक्रिय होती है, जिसकी पराकाष्ठा में उपासक का अस्तित्व पूरी तरह ईष्ट में विलय हो जाता है। अद्वैत की इस चरम स्थिति में ही उपासना के चमत्कारिक फलश्रुतियाँ प्रतिफलित होती हैं।

'साइकोलॉजी ऑफ रिलीजन' में थूलेसन, सेन्ट कैथेराइन का उदाहरण देते हुए उपासना की ऐसी चमत्कृति पर प्रकाश डालते हैं। अपने ईष्ट से तादात्मीकरण के विशेष क्षणों में, कैथरीन अपने शरीर के विभिन्न भागों में वैसे ही पीड़ा अनुभव करती थी, जिस प्रकार हजरत ईसा को कभी हुई थी। ऐसी अवस्था में चिकित्सक उसकी देखभाल करते थे। उन्होंने कैथरीन की पीड़ा को वास्तविक अनुभूत पाया। इसी तरह कृष्ण दीवानी मीरा अपने प्रभु के प्रेम में इतना डूब जाती थी कि वह श्रीकृष्ण रूप ही बन जाती थी और अन्त में द्वारिकाधीश में ही समा गयी।

वर्तमान मानव की दयनीय मानसिक स्थिति का सुन्दर चित्रण करते हुए डॉ. आर. के. मुखर्जी ने अपनी पुस्तक 'सिक्वेंस ऑफ सिविलाइजेशन' में ठीक ही लिखा है कि हमारी वर्तमान भौतिक उन्नति तथा वैज्ञानिक बुद्धि ने मनुष्य को आध्यात्मिक दृष्टि से विकृत कर दिया है और उससे आन्तरिक शान्ति छीन ली है। इसी का परिणाम है कि समृद्ध राष्ट्र जहाँ गरीब राष्ट्रों के शोषण व सत्ता संघर्ष में उलझे हुए हैं, वहीँ सम्पूर्ण मानव जाति भारी असंतोष एवं विक्षिप्तता के दौर से गुजर रही है। मानवीय प्रयास इस संदर्भ में निराशावादी रुख लिए हुए हैं, जिनके अनुसार सभ्यता का विकास और मानसिक रोगों की वृद्धि एक दूसरे के सहगामी हैं। मनुष्य इस दुर्भाग्य से मुक्त नहीं हो सकता।

किन्तु आध्यात्मिक दर्शन एवं उपचार इस निराशावाद को निरस्त करते हैं। उसके अनुसार मानव के भीतर वह तत्त्व विद्यमान है, जो अपार ज्ञान, शक्ति और आनन्द का स्रोत है। इसका जागरण एवं विकास ही मनुष्य की तमाम समस्याओं का समाधान है। उपासनात्मक उपचार इसी को सम्पन्न करने का सशक्त विज्ञान सम्मत उपाय है, जिसमें मनुष्य के आध्यात्मिक ज्ञान की प्रगति बाहर से भीतर की ओर होती है। इसमें अन्तरात्मा की पूर्णता का प्रक्षेपण (प्रोजेक्षन) चयनित उपास्य देव, महापुरुष या आदर्श में होता है और इससे भाव-संवाद एवं तादात्मीयकरण की प्रक्रिया के साथ आन्तरिक जागरण रूपांतरण एवं विकास की प्रक्रिया शुरू होती है। साथ ही उपासना द्वारा व्यक्ति को जीवन की रिक्तता एवं अपूर्णता को भरने वाला सशक्त एवं पूर्ण आलम्बन मिल जाता है और अस्तित्व की गहनतम जिज्ञासा एवं पिपासा को संतुष्ट एवं तृप्त करने वाला आधार भी मिल जाता है।

॥ प्रथम पृष्ठ के शेष >

डॉ. सैजल . . .

मां की पवित्र पालकी पर पुष्प वर्षा की।इस अवसर पर सोलन शहर के विभिन्न स्थानों पर तीन दिनों तक भण्डारे भी आयोजित किए जाते हैं।

चंबा-किलाड़ . . .

दुर्घटना में घायल हुए लोगों की सूची : मोहनलाल पुत्र जालम गांव धुलेई, तुलसीराम उर्फ मनी पुत्र अचला गांव लड्डन, नीतू पत्नी टेकचंद गांव कठवाड, चरण सिंह पुत्र कर्म सिंह गांव सरयूडा, नागेश कुमार पुत्र बालकृष्ण गांव ओवडी, विशेष पुत्र विजय कुमार निवासी लुधियाना, नरेन सिंह पुत्र योगराज गांव दियोड़ा। दुर्घटना में योगराज पुत्र रघुवीर गांव दियोड़ा (आयु 42 वर्ष) की मृत्यु हुई है। जिला प्रशासन द्वारा मृतक के परिवार को दस हजार रुपयों और घायलों को पांच-पांच हजार की फौरी राहत उपलब्ध करवाई गई है।

लूहरी-1 . . .

की। नेशनल हाईवे डायवर्जन का कार्य अंतिम चरण में है और इसे जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। इसके साथ ही नदी के बाएं किनारे पर डैम का निर्माण कार्य भी आरंभ हो जाएगा। शर्मा ने कर्मचारियों से सभी कंपोनेटों के निर्माण गतिविधियों को समय पर पूरा करने के लिए पूर्ण समर्पण और टीम भावना से कार्य करने का आग्रह किया। नन्द लाल शर्मा ने बताया कि लूहरी चरण-1 जल विद्युत परियोजना की अनुमानित लागत 1810 करोड़ रुपए है और इसके पूरा होने पर सालाना 758 मिलियन यूनिट विद्युत का उत्पादन होगा। इस परियोजना से कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन में सालाना 6.1 लाख टन की भी कमी आएगी। उन्होंने आगे बताया कि लूहरी -1 परियोजना सामुदायिक संपत्ति सृजन, बुनियादी ढांचे के विकास एवं लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ साथ क्षेत्र के विकास में योगदान दे रही है।

न्यायाधीश अमजद एहतेशाम सईद ने प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की शपथ ग्रहण की

ललित कश्यप
शिमला . बाख़बर कनेक्ट

न्यायाधीश अमजद एहतेशाम सईद ने हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण की। राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने राजभवन में आयोजित गरिमापूर्ण समारोह में उन्हें पद की शपथ दिलाई।

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर भी इस अवसर पर उपस्थित थे। राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य सचिव राम सुभग सिंह ने शपथ ग्रहण समारोह की कार्यवाही का संचालन किया और भारत के राष्ट्रपति द्वारा जारी नियुक्ति पत्र पढ़ा।

राज्यपाल के सचिव राजेश शर्मा ने शपथ पत्र पर राज्यपाल और मुख्य न्यायाधीश के हस्ताक्षर प्राप्त किए। जल शक्ति मंत्री महेन्द्र सिंह ठाकुर, शहरी विकास मंत्री सुरेश भारद्वाज, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, नेता प्रतिपक्ष मुकेश अग्निहोत्री, सांसद प्रतिभा सिंह, महाअधिवक्ता अशोक शर्मा, पुलिस महानिदेशक संजय कुंडू, विभिन्न बोर्डों और निगमों के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, प्रदेश सरकार के वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका के साक्षात्कार अब 5 जुलाई को

बाख़बर न्यूज
मंडी . बाख़बर कनेक्ट

बाल विकास परियोजना अधिकारी, रिवालसर ने सूचित किया है कि

आंगनबाड़ी केंद्र नालसन म आगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा वटेहड़, साई, सदोह चलहर, अपर सुराडी, सताहन तथा आमलाटाला में सहायिकाओं के जो साक्षात्कार 28 जून को निर्धारित किए गए थे, उन्हें प्रशासनिक कारणों से स्थगित कर दिया गया है । उन्होंने बताया कि अब ये साक्षात्कार उनके कार्यालय में 5 जुलाई, 2022 को लिए जायेंगे।

गाय हमारी आर्थिकी का मूल आधार : डॉ. सैजल

बाख़बर न्यूज
सोलन . बाख़बर कनेक्ट

राज्य स्तरीय शूलिनी मेला-2022 के अवसर पर ज़िला प्रशासन के सौजन्य से पशुपालन विभाग सोलन द्वारा पशु प्रदर्शनी (गो वंश प्रदर्शनी) का आयोजन कथेड़ में किया गया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा आयुष मंत्री डॉ. राजीव सैजल ने गौ पूजा के साथ गो वंश प्रदर्शनी शुभारम्भ किया।

डॉ. सैजल ने इस अवसर पर कहा कि गाय से प्राप्त हर उत्पाद का प्रयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारी पुरातन संस्कृति में गाय हमारी आर्थिकी का मूल आधार रही है। हमें स्वदेशी नस्ल की गाय पालनी चाहिए। उन्होंने ज़िला प्रशासन द्वारा आयोजित प्रदर्शनी के आयोजन पर बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी के माध्यम से हमें प्रेरणा मिलती है और समाज में गौवंश के प्रति जागृति उत्पन्न होती है।

आयुष मंत्री ने उप निदेशक पशुपालन विभाग को निर्देश दिए कि शिविरों के माध्यम से ग्राम स्तर पर प्रत्येक नागरिक को गौवंश के महत्व के बारे में जागरूक करें। उन्होंने कहा कि गौवंश संरक्षण के लिए सरकार ने प्रदेशभर में गौ अभ्यरण स्थापित किए हैं।

उपायुक्त सोलन कृतिका कुलहरी ने प्रदर्शनी के समापन पर प्रदर्शनी में विजेताओं को पुरस्कृत किया। पशु प्रदर्शनी में साहिवाल नस्ल की गाय की श्रेणी में स्वामी ओम देव की गाय प्रथम, मदन लाल की गाय द्वितीय और प्रदीप की गाय को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। रेड सिन्धी नस्ल गाय की श्रेणी में स्वामी ओम देव की गाय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। गिर नस्ल की गाय की श्रेणी में स्वामी ओम देव की गाय ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। थारपार्कर, हरियाणा, कांकरेज व राठी नस्ल की गाय की श्रेणी में अनिल कुमार की गाय प्रथम, पंकज गुप्ता की गाय द्वितीय रही। पहाड़ी नस्ल की गाय की श्रेणी में ठाकुर धरमार्थ न्यास गौ सदन डांगरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सभी राशन कार्ड उपभोक्ता अपना ई-केवाईसी अवश्य करवाएं

बाख़बर न्यूज
धर्मशाला . बाख़बर कनेक्ट

जिला नियंत्रक, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, पुरषोतम सिंह ने बताया कि जिला कांगड़ा की सभी उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से सभी राशन कार्ड उपभोक्ताओं का ई-केवाईसी किया जाना है।

उन्होंने सभी राशन कार्ड उपभोक्ताओं से अनुरोध किया है कि जिन राशन कार्ड धारकों ने अब तक ई-केवाईसी नहीं करवाया है, वह अपनी उचित मूल्य की दुकान पर उपलब्ध पीओएस मशीन के माध्यम से अपना ई-केवाईसी शीघ्र करवाना सुनिश्चित करें।

इसके अतिरिक्त ऐसे उपभोक्ता जो रोजगार, शिक्षा व किन्हीं अन्य कारणों से जिला से बाहर प्रदेश के किसी भी क्षेत्र में हैं, वह भी अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी उचित मूल्य की दुकान पर अपना राशन कार्ड अथवा आधार कार्ड नम्बर देकर अपना ई-केवाईसी करवा सकते हैं।

ऐतिहासिक मिंजर मेला के सफल आयोजन के लिए विभिन्न कार्यों के लिए निविदाएं आमंत्रित

अजय कश्यप
चंबा . बाख़बर कनेक्ट

सहायक आयुक्त मनीष चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि ऐतिहासिक मिंजर मेला के सफल आयोजन के लिए फ्लेक्स प्रिंटिंग प्रति स्क्वेयर फुट, फूलों के गुलदस्ते मालाएं एवं फूलों के स्टिके, ड्राई फ्रूट, जूस ,कोल्ड ड्रिंक्स , मिंजर 3 सरी मंदिर 5 सरी, चबयाली धाम, 8 दिन के लिए वीडियोग्राफी सीडी सहित, फोटोग्राफी एल्बम सहित, होटल किराए पर लेने और शहर की दीवारों और मुख्य स्थानों पर सजावट हेतु फ्लेक्स, बैनर लगाने के लिए निविदाएं आमंत्रित की हैं। इच्छुक निविदा कर्ता 29 जून दोपहर 3 बजे तक कार्यालय में निविदाएं जमा करवा सकते हैं। निविदाएं 29 जून को ही खोली जाएंगी। इसके तहत प्रति निविदा के दर से दो हजार की धरोहर राशि जमा करवानी होगी। निविदाओं को स्वीकार एवं अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित रहेगा। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय के दूरभाष नंबर पर 01899-222408 पर संपर्क किया जा सकता है।

مریخ پر بہنے والا کیچڑ ابلتے ہوئے ٹوتھ پیسٹ کی مانند ہوتا ہے

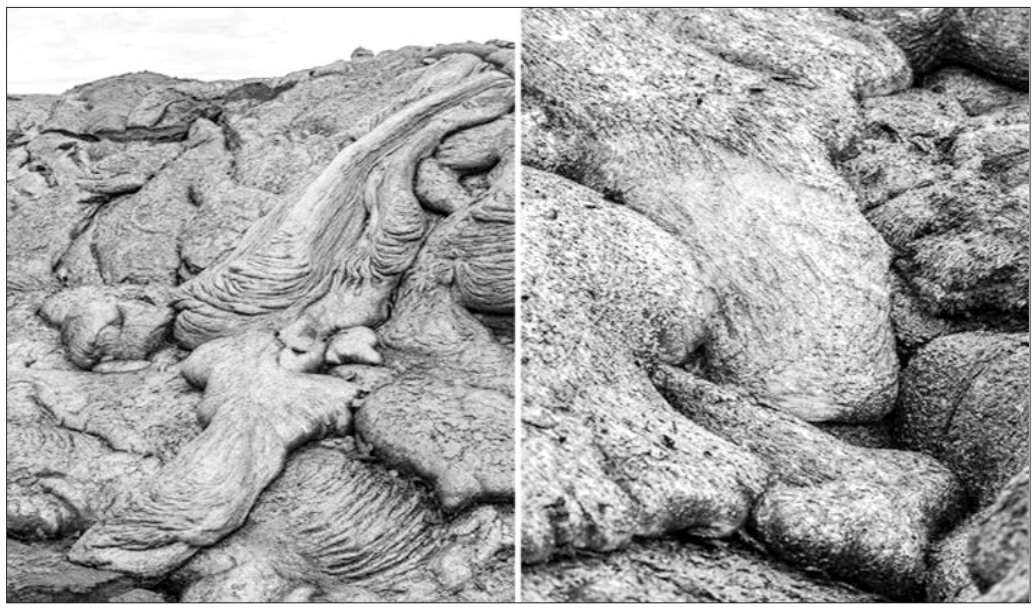

سائنسدانوں نے لیبارٹری میں کیچڑ پر تجربوں کے دوران ایک حیران کن دریافت کی ہے۔

سائنسدانوں کی ایک عالمی ٹیم یہ جاننے کی کوشش کر رہی تھی کہ سرخ سیارے پر آتش فشاں چٹانوں کی بجائے کیچڑ کو کیسے اگلتا ہے۔

برطانیہ میں ایک لیبارٹری جس میں مریخ جیسا ماحول تیار کیا گیا ہے، وہاں جب کیچڑ پر تجربہ کیا گیا تو یہ ابلے ہوئے ٹوتھ پیسٹ کی طرح حرکت کرنے لگا اور بعض حالات میں یہ سیال اچھلنے لگا۔

یہ کیچڑ امریکی ریاست ہوائی کے مشہور آتش فشاں کلوایا سے نکلنے والے لاوے سے مشابہت رکھتا تھا۔ سائنسدانوں کی یہ نئی دریافت مریخ پر پہلے ہونے والی تحقیقات کے کچھ نتائج کو پیچیدہ بنا دے گی۔

چیک اکیڈمی آف سائنسز انسٹیٹیوٹ آف جیوفزکس کے ڈاکٹر پیٹر بروز کا کہنا ہے کہ اب جب آپ خلا سے کچھ چیزوں کو دیکھیں گے آپ یہ سمجھ نہیں سکیں گے کہ یہ آتش فشاں لاوا چٹانوں کا لاوا ہے یا کیچڑ بہہ رہا ہے۔

'جب تک کوئی جیالوجسٹ اصلاتاً مریخ پر موجود نہ ہو اور ہتھوڑا مار کر یہ معلوم نہ کرے، اس وقت یہ بتانا مشکل ہوگا۔

ڈاکٹر بروز ایک عرصے سے مریخ پر بہنے والے کیچڑ کے حوالے سے شکوک وشبہات رکھتے تھے اور کئی برسوں تک یہ مریخ پر نظر آنے والی مخروطی شکلوں کی تعریف کو غلط ثابت کرنے کی کوشش کر رہے تھے۔

بالآخر ڈاکٹر بروز نے مریخ پر نظر آنی والی مخروطی شکلوں کی تعریف کو تسلیم کر لیا اور یہ سوچنے لگے کہ اگر کیچڑ سطح سے ابلتا ہے تو اس کا انتہائی سرد موسم میں اس کا رویہ کیسا ہوگا۔

ڈاکٹر بروز اسی سوال کے ساتھ برطانیہ کی اوپن یونیورسٹی میں ڈاکٹر منیش پٹیل کی ٹیم کے پاس گئے جس کے پاس ایسی لیبارٹری کی سہولت موجود ہے جو مریخ جیسے ماحول کو پیدا کر سکتی ہے۔

برطانیہ کی اوپن یونیورسٹی کی لیبارٹری میں ایسے آلات کو ٹیسٹ کیا جاتا ہے جنھیں خلائی ایجنسی کے مریخ پر جانے والے روور پر نصب کیا جانا مقصود ہوتا ہے۔

تحقیق کار ہمیشہ اپنی لیبارٹری کے چیمبر کو صاف ستھرا رکھنے کی حتی الوسع کوشش کرتے ہیں لیکن کیچڑ پر ہونے والے اس تجربے کے دوران کیچڑ کا سیال ریت والی ڈھلوان سے بہنے لگا۔

زمین پر کیچڑ کا ردعمل کچھ ایسا ہوتا ہے جیسے پلیٹ پر ڈالی گریوی کا، لیکن مریخ پر کیچڑ کا رویہ یکسر مختلف ہوتا ہے اور وہ آتش فشاں مادے کی طرح بہنے لگتا ہے۔

اس کی وجہ زمین پر کرہ ہوائی کا دباؤ ہے جو زمین کی قدر کا صرف ایک فیصد ہوتا ہے اور وہ پانی کو بخارات میں تبدیل کر کے اس اڑا لے جاتا ہے اور پھر ابلنے کے بعد منجمد ہو جاتا ہے۔

اس سیال کی بیرونی تہہ منجمد ہو جاتی ہے لیکن اس کا اندرونی حصے میں سیال اپنی شکل میں موجود رہتا ہے۔

ڈاکٹر پٹیل کہتے ہیں کہ بیرونی سطح تو جم جاتی ہے لیکن اس کے اندر موجود سیال کسی بھی کمزور جگہ سے نکل آتا ہے اور بہنے لگتا ہے۔

ڈاکٹر پٹیل کہتے ہیں کہ یہ اوپر نیچے لہر دار دھاروں کی طرح ہوتا ہے اور فرق صرف یہ ہے کہ اس کے اندر پگھلی ہوئی چٹان کے بجائے پگھلا ہوا کیچڑ ہوتا ہے۔

سائنسدانوں کی ٹیم نے اپنے ابتدائی تجربات کے نتائج سائنسی جریدے، نیچر جیوسائنس میں بیان کیے ہیں۔لیکن بعد میں ہونے والے تجربات کو ابھی تک نیچر جیوسائنس میں رپورٹ نہیں کیا گیا۔

ان تجربات میں کم دباؤ کے ماحول میں کیچڑ بہت تیزی سے ابلنے لگا اور سطح پر ایسے اچھل رہا تھا جیسے وہ ہوا میں تیر رہا ہو۔

ڈاکٹر بروز کہتے ہیں کہ سائنسدانوں کو یہ بات سمجھنے کی ضرورت ہے کہ جب وہ سیاروں پر جسمانی عوامل کو دیکھتے ہیں تو وہ کبھی کبھار ایسے نتائج بھی سامنے آتے ہیں جن کی توقع نہیں کی جا رہی ہوتی ہے۔

اب کوئی جیولوجسٹ مریخ پر پہنچ کر ہی یہ معلوم کر سکے گا کہ بہنے والا مادہ کیچڑ ہے یا چٹان کا لاوا۔

سورس : بی بی سی اردو

PM KISAN benefits 983279 farmer families with direct benefit transfer of Rs. 1931.63 crore in state

India being an agrarian economy, farmers play a vital role in economic development of the country and state. Enhancement of income of farmers and overall development in rural areas is the priority of the State Government. To provide boost to the economy of the farmers, the state government is ensuring successful implementation of the Prime Minister Kisan Samman Nidhi in the state.

The PM Kisan Samman Nidhi (PM- KISAN) scheme envisages to supplement the financial needs of small and marginal farmers having small landholding and to equip them with modern farms tools and technique procuring various inputs to ensure proper crop health and maximum yield.

Empowering the farmers of the state, PM KISAN is also proving handy for their small expenses and enabling them to buy good quality seeds, manure and equipments. With successful implementation of PM Kisan Yojna by Himachal Government in the state, as many as 9 lakh 83 thousand 279 farmer families have been provided with funds amounting to Rs. 1931.63 crore in 11 installments in the state.

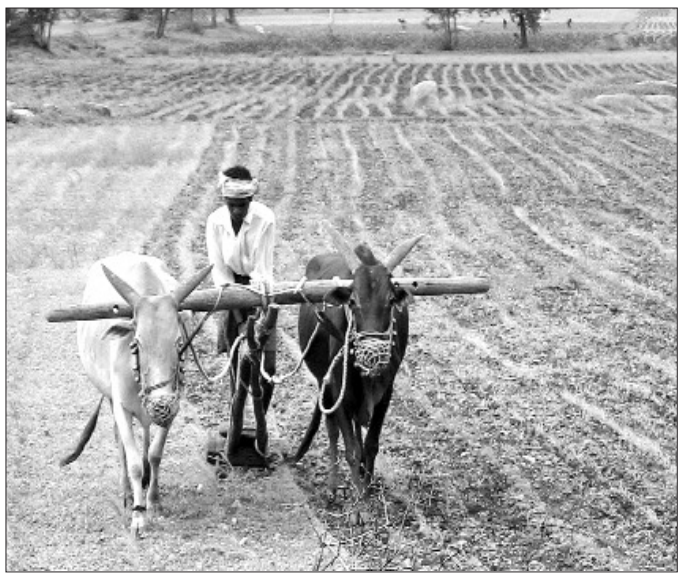

As of now, an amount of Rs. 116.75 crore has been directly transferred into the bank account of 59,607 farmers in district Bilaspur, Rs. 142.08 crore to 70201 farmers of district Chamba, Rs. 120.98 crore to 59699 farmers of district Hamirpur, Rs. 427.37 crore to 215069 farmers of district Kangra, Rs.140.66 crore to 68143 farmers of district Kullu and Rs. 331.09 crore has been paid to 170136 farmers of district Mandi.

Similarly, Rs. 186.45 crore has been transferred through Direct Benefit Transfer Scheme (DBT) into the bank accounts of 93315 farmers of district Shimla, Rs. 127.37 crore has been paid to 73381 farmers of district Sirmaur, Rs. 137.85 crore has been paid to 68339 farmers of district Solan and Rs. 174.36 crore has been transferred directly in the bank accounts of 91325 farmers of district Una.

PM KISAN has brought into its fold the farmers of tribal districts of the state as many as 10966 farmers of district Kinnaur have benefitted with an amount of about Rs.20.72 crore and 3098 farmers of district Lahaul Spiti been have provided an amount of approximately Rs. 5.91 crore since implementation of the scheme. PM KISAN had also proved beneficial to farmers of the state even during the covid pandemic. An amount of about Rs. 11.27 crore was released to provide relief to farmers of the state during the pandemic period by state government and as many as 93246 farmers had also registered during the period.

To facilitate the farmers and provide maximum benefit of the scheme PM KISAN Portal, Common Service Centres and PM KISAN mobile app have also been launched. PM KISAN portal has been created for ease of monitoring on fund transaction details to the beneficiaries.

An annual financial benefit of Rs. 6,000 is provided to eligible beneficiary farming familiar, payable in three equal four-monthly installments Rs 2,000 each, under the PM-KISAN scheme.

नशीले पदार्थों की समस्या से निपटने और राज्य को नशा मुक्त बनाने के लिए व्यापक योजना तैयार : जय राम ठाकुर

निशा देवी
शिमला . बाख़बर कनेक्ट

राज्य में नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सीआईडी और राज्य कर एवं आबकारी विभाग के अधिकारियों की अध्यक्षता में एक विशेष कार्य बल (टास्क फोर्स) का गठन किया जाएगा। यह बात मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने राज्य कर एवं आबकारी विभाग और हिमाचल प्रदेश नशा निवारण बोर्ड की पहल, 'नशा नहीं, जिंदगी चुनो' का शुभारंभ करते हुए कही।

जय राम ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके लिए एकीकृत नशामुक्ति नीति अपनाई गई है। इसके लिए राज्य सरकार ने नशा निवारण बोर्ड का गठन किया है। उन्होंने कहा कि राज्य कर एवं आबकारी विभाग में पुलिस कर्मियों के 73 पद सृजित कर भरे जाएंगे ताकि आबकारी एनडीपीएस और अन्य नियामक कानूनों को प्रभावी रूप से क्रियान्वित किया जा सके। उन्होंने कहा कि इससे न केवल सरकार के राजस्व की बचत होगी बल्कि इससे नशीली दवाओं के खतरे से समग्र रूप से निपटने में भी सहायता मिलेगी। उन्होंने इस अवसर पर आबकारी पुलिस बल की प्रक्रिया का शुभारम्भ भी किया।

जय राम ठाकुर ने कहा कि नशाखोरी के खिलाफ अभियान को जन आंदोलन बनाना समय की मांग है तभी नशे जैसी बुराई को खत्म किया जा सकता है और युवा पीढ़ी को इस सामाजिक बुराई से बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के इस समय में नशे के खतरे पर अंकुश लगाना चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने नशीले पदार्थों की तस्करी में संलिप्त लोगों को पकड़ने के लिए पुलिस विभाग को एक कदम आगे रहने का परामर्श दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पड़ोसी राज्यों की पुलिस के साथ बेहतर तालमेल आवश्यक है तभी नशीले पदार्थों की तस्करी की श्रृंखला को तोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि उनकी पहल पर ही इस क्षेत्र में नशीली दवाओं के खतरे को रोकने के लिए एक संयुक्त रणनीति बनाने के लिए कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा के पंचकुला में एक बैठक आयोजित की गई जिसमें पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड के मुख्यमंत्रियों और जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि सभी मुख्यमंत्रियों और अन्य उत्तरी राज्यों के अन्य प्रतिनिधियों ने मादक पदार्थों की तस्करी के संबंध में जानकारी साझा करने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पंजाब द्वारा एक और बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें राजस्थान और दिल्ली के मुख्यमंत्रियों ने भी भाग लिया।

जय राम ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1100 के अन्तर्गत एक विशेष नशामुक्ति हेल्पलाइन भी शुरू की है। उन्होंने कहा कि इस हेल्पलाइन का उद्देश्य मरीजों को परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए मादक पदार्थों की तस्करी को गैर-जमानती अपराध की श्रेणी में रखा है। उन्होंने कहा कि राज्य में नशीली दवाओं की समस्या से निपटने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है, क्योंकि यह प्रदेश व देश में एक गंभीर सामाजिक समस्या बनी हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने नशीली दवाओं की समस्या से निपटने के लिए प्रदेश को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए एक व्यापक योजना तैयार की है। नशीली दवाओं के खिलाफ रणनीति मुख्य रूप से भांग और अफीम जैसे पौधों से प्राप्त कुछ मादक पदार्थों पर केंद्रित है।

मुख्यमंत्री ने चम्बा बस हादसे पर दुःख व्यक्त किया

बाख़बर न्यूज
शिमला . बाख़बर कनेक्ट

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने 26 जून, रविवार को चम्बा-किलाड़ सड़क मार्ग पर साच पास के समीप हिमाचल पथ परिवहन निगम की बस पर अचानक चट्टानें गिरने से हुए बस हादसे पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। बस दुर्घटना में एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई जबकि 7 व्यक्ति घायल हो गए।

हादसे में घायल हुए व्यक्तियों को उपचार के लिए पंडित जवाहरलाल नेहरू राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय चंबा ले जाया गया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ईश्वर से इस अपूर्णीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। उन्होंने हादसे में हुए घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की भी कामना की है।

माउंटेन बाइकिंग एक्सपेडिशन जैसे आयोजन से अनछुए क्षेत्र उभरते हैं : राम सुभाग सिंह

ललित कश्यप
शिमला . बाख़बर कनेक्ट

हिमाचल प्रदेश के पारम्परिक एवं अनछुए पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की आमद के लिए माउंटेन बाइकिंग एक्सपेडिशन जैसे आयोजन अत्यंत प्रभावशाली भूमिका अदा करते हैं। यह विचार मुख्य सचिव हिमाचल प्रदेश सरकार राम सुभाग सिंह ने होटल पीटरहॉफ में शिमला से जंजैहली माउंटेन बाइकिंग साइकिल रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि इन आयोजनों से जहां साहसिक पर्यटन को बढ़ावा मिलता है वहीं पर्यटन की दृष्टि से अनेक अनछुए क्षेत्र परिदृश्य पर उभरते हैं जहां पर्यटकों को ले जाने के लिए अनेक संभावनाओं को विकसित किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार व पर्यटन विभाग पर्यटकों को ऐसे अनछुए क्षेत्रों तक सुविधाएं प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है तथा विभिन्न क्षेत्रों में पर्यटकों के लिए अधोसंरचना विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश साइकिलिंग का परमश्रेष्ठ केन्द्र बनकर उभरे इसके लिए कार्य किया जा रहा है। इस संबंध में समरहिल शिमला में स्थल विकसित किया जा रहा है। अनेक साइकिलिंग अभियानों के लिए प्रदेश में विभिन्न रास्तों का विकास करने का भी प्रयास किया जा रहा है।

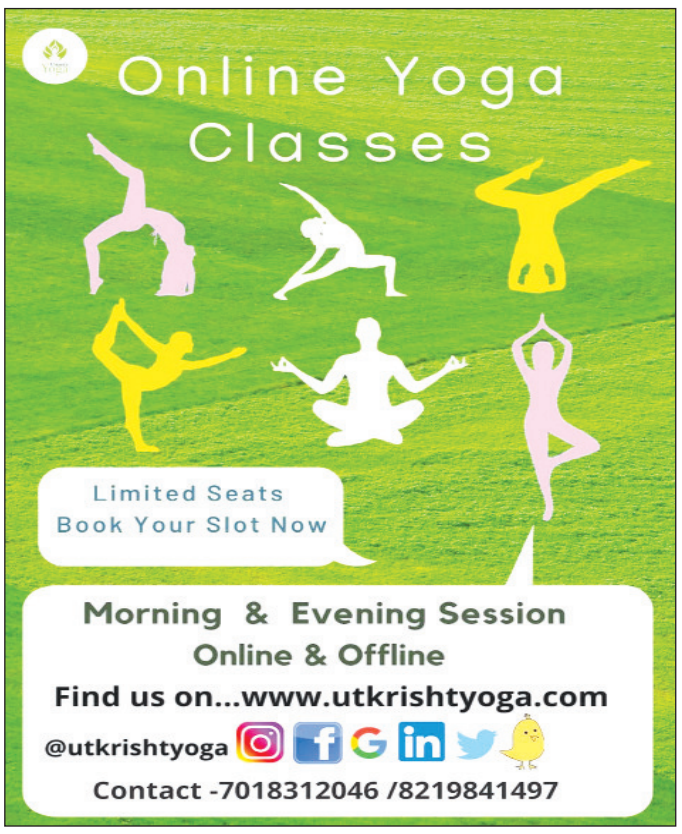

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक **हेमराज हरनोट** द्वारा वायलट हिल, जाखू, शिमला-1 से प्रकाशित एवं **दुर्गा पेपर कन्वर्टरज़**, कांशी भवन, तारादेवी, शिमला-10, जिला शिमला (हि.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक : **हेमराज हरनोट।**
बाख़बर कनेक्ट से सम्बन्धित सभी मामलों का निपटारा न्यायिक अधिकार क्षेत्र शिमला में ही होगा। फोन नं. 094185-88654, email: bakhabarconnect@gmail.com, Post Box No. 86, Shimla-1, H.P.